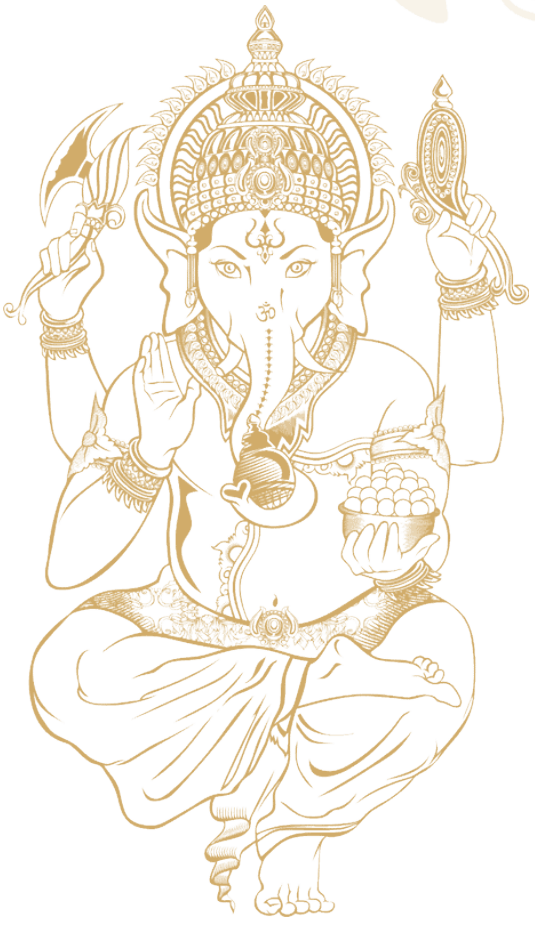

Mr. Ankit

Ms. A

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120697203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/03/1995	जन्म तिथि	24/08/1999
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	13:20:00 घंटे
घटी 08:31:08	जन्म समय(घटी)	18:58:51 घटी
India	देश	India
Chamoli	स्थान	Ramnagar
30:22:00 उत्तर	अक्षांश	29:23:00 उत्तर
79:19:00 पूर्व	रेखांश	79:07:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:44	स्थानिक संस्कार	-00:13:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:32	सूर्योदय	05:46:21
18:13:39	सूर्यास्त	18:45:09
23:47:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:56

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 10मा 25दि	29:11:56	मेष	लग्न	वृश्चि	13:49:54	सूर्य 2वर्ष 2मा 11दि
सूर्य	20:20:24	कुंभ	सूर्य	सिंह	06:52:23	राहु
29/01/2020	03:59:43	मेष	चंद्र	मक	05:07:01	04/11/2018
28/01/2026	21:48:28	कर्क व	मंगल	वृश्चि	00:21:46	03/11/2036
सूर्य 17/05/2020	23:37:03	मक	बुध	कर्क	22:20:27	राहु 17/07/2021
चन्द्र 16/11/2020	20:26:53	वृश्चि	गुरु	मेष	11:08:13	गुरु 11/12/2023
मंगल 24/03/2021	08:51:59	मक	शुक्र व	सिंह	00:50:08	शनि 17/10/2026
राहु 15/02/2022	21:06:39	कुंभ	शनि	मेष	23:18:11	बुध 05/05/2029
गुरु 05/12/2022	12:56:01	तुला व	राहु	कर्क	19:06:40	केतु 24/05/2030
शनि 17/11/2023	12:56:01	मेष व	केतु	मक	19:06:40	शुक्र 23/05/2033
बुध 22/09/2024	05:11:31	मक	हर्ष व	मक	20:19:08	सूर्य 17/04/2034
केतु 28/01/2025	00:59:16	मक	नेप व	मक	08:22:57	चन्द्र 17/10/2035
शुक्र 28/01/2026	06:48:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:53:47	मंगल 03/11/2036

लग्न-चलित

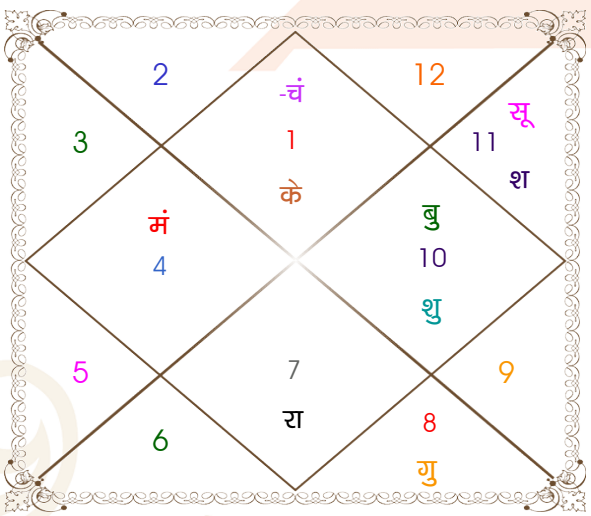

लग्न-चलित

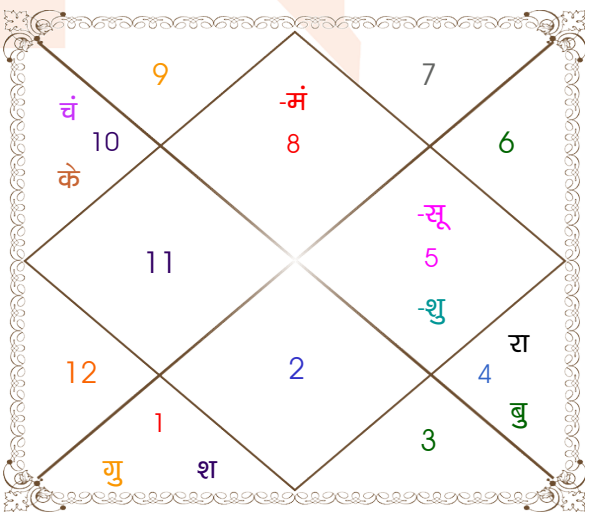

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण ।दापज का वर्ग सिंह है तथा Ms. A का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।दापज और Ms. A का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।दापज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल डतण ।दापज कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ।दापज कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. A कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. A कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण ।दापज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ।दापज तथा Ms. A में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।